"प्रश्न पत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी न लिखें, अन्यथा इसे अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।"

Roll No. .....

B.A. (I)

117 **Hindi Lit. I**

B.A. (Part I) Examination of the Three Year Degree Course, 2020

हिन्दी साहित्य

Paper–I

प्राचीन हिन्दी-काव्य

Time Allowed : **Three** Hours

Maximum Marks : **100**

भाग–अ

नोट :– सभी **दस** प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की सीमा **30** शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

भाग–ब

नोट :– प्रत्येक इकाई में से **एक** प्रश्न का चयन करते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

भाग–स

नोट : इस भाग से कुल **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500 शब्दों** का हो। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

भाग–अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए। 2×10=20

(शब्द सीमा प्रत्येक **30** शब्द) :

(i) 'पाणी हो तै हिम भया, हिम है गया बिलाइ।' उक्त पंक्ति में 'पाणी' और 'हिम' से क्या आशय है ?

(ii) **'पद्मावत' किस भाषा में रचित है ?**

(iii) **'भ्रमरगीत' में प्रधान रस कौनसा है ?**

(iv) **'भ्रमरगीत काव्य' से आप क्या समझते हैं ?**

(v) **घनानंद की कोई दो रचनाओं के नाम बताइए।**

(vi) **बिहारी के काव्य की कोई दो विशेषताएँ बताइए।**

(vii) **'रामचरितमानस' में तुलसी ने श्रीराम के किस स्वरूप की परिकल्पना की है ?**

(viii) 'पद्मावती' किसकी रचना है ? [illegible]

(ix) '[illegible]' को [illegible] से सम्बन्धित है ?

(x) [illegible] ने किस ग्रन्थ की रचना की थी ?

भाग—ब

निर्देश : प्रश्न संख्या 2, 3, 4 की सन्दर्भ सहित व्याख्या [illegible] 5 व 6 के निबन्धात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(शब्द-सीमा प्रत्येक 250 शब्द) : 7×5=35

इकाई—I

2. [illegible]

कवल जु फूल्या फूल बिन, को [illegible]

[illegible]

[illegible]

अथवा

कातिक सरद चंद उजियारी। जग सीतल [illegible]

चौदस करा कीन्ह परगासू। जनहुँ जरै सब धरति अकासू।

तन मन सेज करै अगिदाहू। सब कहँ चाँद भएउ मोहिं राहू।

चहूँ खंड लागै अँधियारा। जौ घर नाहिन कंत पियारा।

अबहूँ निठुर आव एहि बारा। परब देवारी होइ संसारा।

इकाई—II

3. अपने सगुन गोपालै, माई! यहि बिधि काहे देत ?

ऊधौ की ये निरगुन बातैं मीठी कैसे लेत।

धर्म अधर्म कामना सुनावत सुख औ मुक्ति समेत।

काकी भूख गई मनलाडू सो देखहु चित चेत।

सूर स्याम तजि को भुस फटकै मधुप तिहारे हेत।

अथवा

भरतहि देखि मातु उठि धाई। मुरुछित अवनि परी झइँ आई॥

देखत भरतु बिकल भए भारी। परे चरन तन दसा बिसारी॥

मातु तात कहँ देहि देखाई। कहँ सिय रामु लखनु दोउ भाई॥

कैकइ कत जनमी जग माझा। जौं जनमित भइ काहे न बाँझा॥

कुल कलंकु जेहिं जनमेउ मोही। अपजस भाजन प्रियजन द्रोही॥

को तिभुवन मोहि सरिस अभागी। गति असि तोरि मातु जेहि

लागी॥

इकाई–III

4. [illegible]

[illegible]॥

[illegible]

[illegible]॥

[illegible]।

[illegible]॥

अथवा

[illegible]

[illegible]।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]।

इकाई–IV

5. चन्दबरदाई के काव्य-वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मीरां की विरह वेदना को समझाइए।

इकाई–V

6. देव के कृतित्व का परिचय दीजिए।

अथवा

हिन्दी नीतिकाव्य परम्परा में रहीम के स्थान पर प्रकाश डालिए।

भाग–स

निर्देश :– निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(शब्द-सीमा प्रत्येक 500 शब्द) : 15×3=45

7. 'भगति भजन हरि नाँव है' पंक्ति के आधार पर कबीर की भक्ति-भावना को स्पष्ट कीजिए।

8. "तुलसी का सम्पूर्ण काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है।" इस कथन का तर्कसंगत विवेचन कीजिए।